

खबर संक्षेप

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लापरवाही पर पाँच सचिवों पर जुर्माना

मण्डला। लोक सेवा प्रबंधन विभाग, कलेक्टर कार्यालय मंडला द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम, 2010 के तहत समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित सचिवों पर शास्ति अधिरोपित की गई है। जारी आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत पौड़ी महाराजपुर के सचिव संतोष ठाकुर, ग्राम पंचायत पदमी के सचिव श्री परसराम ठाकुर, ग्राम पंचायत मधुपुरी के सचिव श्री काशीराम बरमेया, ग्राम पंचायत खड़देवरा के सचिव लोकूलाल वरकड़े एवं ग्राम पंचायत बिनाका के सचिव विपिन पटेल को विभिन्न प्रकरणों में निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं करने पर प्रत्येक प्रकरण में 250 रुपये के हिसाब से कुल 1250 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। यह राशि संबंधित अधिकारियों के वेतन से काटकर राजकोष में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सचिवों की जिम्मेदारी है तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त

मण्डला। राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा पुरस्कार के लिए पात्रता, मूल्यांकन के मापदंड, चयन प्रक्रिया, स्कूटनी एवं प्रेजेंटेशन संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुनी वरकड़े ने जिले के सभी विद्यालयों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि पात्र शिक्षकों को 10 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

आपदा के समय फर्स्ट रेस्पोंडर बनकर समुदाय की मदद करें आपदा मित्र-कलेक्टर

*** मंडला में आपदा मित्रों के 7 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ 120 युवक-युवतियां ले रहे भाग।**

हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला

आपदा के समय त्वरित राहत और बचाव कार्य के लिए जिले में आपदा मित्र योजना के तहत 7 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ शुक्रवार को होमगार्ड एवं एसडीआईआरएफ प्रशिक्षण भवन में हुआ। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग के निर्देशों पर आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 120 युवक-युवतियां भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण का शुभारंभ कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने माँ सरस्वती



के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री नरेश कुमार साहू ने प्रशिक्षण की भूमिका और कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर श्री धोटे ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते



हुए कहा कि प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए समुदाय स्तर पर प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आपदा मित्रों को फर्स्ट रेस्पोंडर के रूप में कार्य करने, दुर्घटना के समय की कार्यप्रणाली



समझने और अपने आसपास के लोगों को आपदा के प्रति जागरूक करने की समझाव दी। साथ ही सर्पदंश के संबंध में फैले अंधविश्वास से बचकर त्वरित चिकित्सकीय सहायता लेने और सड़क दुर्घटना में प्रभावितों की मदद करने के लिए भी प्रेरित

किया। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी 120 प्रशिक्षणार्थियों को आपदा के समय उपयोग में आने वाली सामग्री की संपूर्ण किट भी प्रदान की जाएगी। आपदा मित्र भविष्य में प्रशासन के सहयोगी बनकर आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

समारोह

रोटरी क्लब मंडला 'मैकल' का वार्षिक पदस्थापना समारोह, दिलीप तिवारी बने अध्यक्ष।

रोटरी की नई कार्यकारिणी ने संभाली जिम्मेदारी



*** मेधावी विद्यार्थियों एवं पूर्व अध्यक्षों का हुआ सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला

रोटरी क्लब मंडला मैकल का वार्षिक पदस्थापना समारोह गरिमायय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उडके रही। समारोह में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, संयुक्त कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट (2027) भानुप्रसाद

चौधरी, असिस्टेंट गवर्नर शोभित वर्मा, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी जनरल अजय अग्रवाल तथा डिस्ट्रिक्ट एनवायरनमेंट चेयरमैन डॉ. संजय तिवारी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि संपतिया उडके ने रोटरी क्लब द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सेवा ही समाज निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने जिले में विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता तथा व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने का आह्वान किया। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने

कहा कि रोटरी क्लब द्वारा पीडित मानवता की निस्वार्थ सेवा अनुकरणीय है। प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से जनहित के कार्यों को और अधिक गति मिल सकती है। समारोह में नई कार्यकारिणी ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। दिलीप तिवारी ने अध्यक्ष तथा अभिषेक बाजपेई ने सचिव का दायित्व संभाला। पूर्व अध्यक्ष प्रसन्न सराफ एवं पूर्व सचिव सुरेश चौधरी ने रोटरी कॉलर पहनाकर नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। डॉ. संजय तिवारी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्षभर में

किए गए सेवा कार्यों एवं जिला अस्पताल में लिफ्ट स्थापना सहित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। पूर्व अध्यक्ष प्रसन्न सराफ एवं नव-निर्वाचित अध्यक्ष दिलीप तिवारी ने आगामी सेवा परियोजनाओं की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर क्लब के नए सदस्यों का स्वागत किया गया। कैबिनेट मंत्री संपतिया उडके ने सभी नए सदस्यों को रोटरी पिन पहनाकर सदस्यता प्रदान की। साथ ही क्लब की स्थापना के 18 वर्ष पूर्ण होने पर सभी पूर्व अध्यक्षों एवं इनरव्हील क्लब को पूर्व अध्यक्ष श्रद्धा तपा का

सम्मान किया गया। समारोह में प्रदेश एवं जिला प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया तथा तकनीकी संयोजन डॉ. कपिल वर्मा ने संभाला। अंत में सचिव अभिषेक बाजपेई ने आभार व्यक्त किया। समारोह में राउरकेला, जबलपुर, नैनपुर एवं बालाघाट रोटरी क्लब के सदस्य, इनरव्हील क्लब के पदाधिकारी, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निवास पुलिस ने पीड़ितों का आवेदन लेने से किया मना

महिलाओं को टगने की फिराक में चिटलर बैंक

कि उक्त पार्टी बड़ी है, और आप लोग पहले कलेक्टर साहब के पास या जन सुनवाई में जाओ, उसके बाद हम कुछ कर पाएंगे।

एजेंट जब फरार हो जारंगे तो राशि बसूली में होगी परेशानी

ज्ञात हो कि उक्त चिटलर बैंक के लिये राशि बसूलने वाले निवास नगर के ही निवासी हैं, और पीड़ित महिलाओं ने निवास थाना में तीन बार आवेदन देने की कोशिश की ताकि उन्हें उनकी जमा पूंजी मिल जाये, लेकिन तीनों बार उन्हें निवास थाना से नकारात्मक जवाब मिला और ऐसे में उक्त मामला चर्चित हो गया, इस स्थिति में अगर सम्बन्धित एजेंट कहीं भाग गये तब पीड़ितों की राशि मिलने में मुश्किल हो सकती है।

हर छोटे मामलों के पीड़ित कलेक्टर कार्यालय क्यों जायें

ग्रामीण क्षेत्रों में घटने वाले हर मामलों पर विभागवार विधि अनुरूप कार्रवाई कर शांति व शुरक्षित माहौल बना रहे इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु ही अनुभाग के आलाधिकारी तेनात किये जाते हैं, उक्त के विपरीत अगर हर छोटे मामलों के पीड़ितों को न्याय पाने निवास पुलिस द्वारा जिला कलेक्टर कार्यालय भेजे जाने की सलाह दी जाने लगे, तब कलेक्टर कार्यालय में न सिर्फ अतिरिक्त कार्य बढ़ेगा बल्कि पीड़ितों को न्याय मिलने में भी देरी होगी। क्या ऐसे चीटिंग या वादाखिलाफी के मामलों से प्रसित लोगों को सिर्फ जिले में ही न्याय मिलेगा?

माँ बंजारी धाम में पूरे श्रावण मास चलेगा शिव रुद्राभिषेक



*** 30 जुलाई से 27 अगस्त तक रोजाना सुबह 9 बजे से होगा पूजन।**

हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला/मुआबिछिया

श्रावण मास को लेकर नगर के प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ बंजारी धाम में इस बार विशेष तैयारियां की गई हैं। यहाँ 30 जुलाई से 27 अगस्त तक पूरे एक महीने तक प्रतिदिन शिव रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया है। धाम के पीठाधीश्वर दीपक गिरि गोस्वामी के सानिध्य में होने वाले इस आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

मंदिर प्रबंधन के अनुसार रुद्राभिषेक प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से 11:30 बजे तक किया जाएगा। जो भक्त पूजन कराना चाहते हैं वे संपर्क कर अपना नाम दर्ज करवा सकते हैं। श्रावण में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व होने के कारण प्रबंधन ने पूरे माह यह

आयोजन रखने का निर्णय लिया है। रत्नेश यादव ने कहा, रमां बंजारी धाम हमारी आस्था का केंद्र है। श्रावण में यहां पूरे महीने रुद्राभिषेक होना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। मंदिर परिसर की साफ-सफाई और लाइटिंग की विशेष व्यवस्था की गई है श्रावण में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती है, इसलिए गाड़ी पार्किंग यातायात व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया है। पीठाधीश्वर दीपक गिरि गोस्वामी ने बताया कि रुद्राभिषेक के साथ-साथ मंदिर में भजन-कीर्तन, प्रवचन और विशेष पूजा-अर्चना भी होगी। मंदिर को फूलों और लाइटों से सजाया गया है, श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, पेयजल और बैठने की व्यवस्था की गई है। मान्यता है कि माँ बंजारी धाम में सच्चे मन से मांगी गई मन्त्रों पुरी होती हैं। इसी कारण श्रावण में यहां भक्तों का ताता लगा रहता है। इस बार पूरे महीने चलने वाले आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

31 जुलाई को जिले में औसतन 2.1 मिमी वर्षा दर्ज

मण्डला। जिले में शुक्रवार को औसतन 2.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त वर्षा प्रतिवेदन के अनुसार 1 जून से 31 जुलाई 2026 तक जिले में कुल 513.0 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 1127.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। तहसीलवार वर्षा के अनुसार बिछिया में 5.5 मिमी, मंडला में 3.2 मिमी, निवास में 2.2 मिमी तथा नारायणगंज में 2.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। नैनपुर एवं घुघरी में वर्षा दर्ज नहीं हुई।

सीवरेज कार्यों की गुणवत्ता पर प्रशासन सख्त, अधूरे कार्यों का संयुक्त निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मंडला श्रीमती सोनल सिडाम के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद मंडला, एम.पी.यू.डी.सी. तथा निर्माण एजेंसी के अधिकारियों द्वारा शहर में संचालित सीवरेज परियोजना के विभिन्न कार्यों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने ठेकेदार द्वारा कराए जा रहे गुणवत्ता-विहीन एवं अधूरे कार्यों की जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से दुर्गा मंदिर चौक के आसपास, सड़क रिस्टोरेशन एवं हाउस सर्वेस कनेक्शन कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने नगर पालिका के उपयंत्री को सभी लंबित एवं क्षतिग्रस्त मार्गों का चिह्नकन कर एमपीयूडीसी को सूची भेजने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण एजेंसी के उपयंत्री को प्रतिदिन किए जा रहे सुधारात्मक कार्यों की प्रगति से अवगत कराने तथा सीवरेज परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में सीवरेज परियोजना के सभी कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं समयसीमा में पूर्ण कराए जाएंगे।



कोयले से भरा ट्रक पलटा, गहरे गड्ढे सेहुआ हादसा



*** राष्ट्रीय राज मार्ग एनएच-30 पर घंटों बाधित रहा यातायात।**

हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला/मुआबिछिया

मंडला-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-30) पर गुरुवार को बिछिया के बंजारी घाट भुआ स्कूल के पास में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। सड़क पर बने गहरे गड्ढे के पास कोयले से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई घंटों तक यातायात प्रभावित रहा।

जानकारी के अनुसार ट्रक बंजारी घाट से गुजर रहा था, तभी सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से में वाहन का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक पलट गया। हादसे के बाद मार्ग पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई तथा आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया।

सूचना मिलते ही बिछिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था संभालते हुए मार्ग को सुचारु कराने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस की निगरानी में क्रेन की सहायता से पलटे हुए ट्रक को हटाने का कार्य किया गया, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका।

इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एनएच-30 के इस हिस्से में लंबे समय से गहरे गड्ढे बने हुए हैं और समय पर मरम्मत नहीं होने से दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग की तत्काल मरम्मत कराए जाने तथा सड़क रखरखाव के लिए जिम्मेदार एजेंसी और संबंधित विभाग से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सड़क की स्थिति में शीघ्र सुधार नहीं किया गया, तो भविष्य में और गंभीर दुर्घटनाएं हो

सकती हैं। यह घटना एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्ग के रखरखाव और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रश्न खड़े करती है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क की नियमित मरम्मत और गड्ढों को समय पर भरना आवश्यक है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और इस प्रकार की घटनाओं को पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

इनका कहना है:-

सड़क में जो गड्ढा हुआ है उसका ज्यादा जिम्मेदार जल निगम जल निगम है इनके द्वारा पिछले वर्ष इसी सड़क में भुमिगत पाइप डालकर सड़क पार कराया था जिससे पिछले वर्ष की भारी बारिश से सड़क के नीचे का मटेरियल बह गया और सड़क के नीचे रिक्त स्थान ने जगह बना ली। जिससे आज दुर्घटना हुई। जल निगम जल निगम ने एनएच 30 विभाग से एन ओ सी ली थी या नहीं ये नहीं पता -**राजेंद्र साहू, समाजसेवी,**

खबर संक्षेप

सड़क किनारे बैठी हुई माँ
सहित बेटी व मासूम को
कार ने मारी टक्कर

माइजरवा। समीपस्थ सिहोरा
पुलिस चौकी से मिली जानकारी के
अनुसार बाँते हुये दिनांक मुख्य रूप से
भीषापाल हल बरमान निवासी विकास
पता रायवत नानदेव उम्र 30 साल
द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत
दर्ज करके हुये बताया है कि जब वह
अपने किसी रिश्तेदार निवासी
नानदेर से अपनी पत्नी खिगिता, सास
रामाबाई तथा मासूम बच्चा उम्र तीन
व चार साल की लेकर जा रहा था तो
ग्राम अजंसरा के पास प्रार्थी की पत्नी
व सास सड़क किनारे बैठ कर बच्चे
को हट्टी पिलाने लगी। इसी दौरान
एक कार क्रमांक **Mp-04-v-6726**
का चालक अपनी कार को तेज गति
व लापरवाही पूर्वक चलते हुये लाया
और पनि तथा सास सहित मासूम
बच्चे को टक्कर मारते हुये मौके से
भाग गया। घटना को लेकर पुलिस ने
प्रार्थी को शिकायत पर आरोपी कार
चालक के खिलाफ मामला कायम
करके हुये जांच में लिया गया है।

पड़ोसी के बच्चों की रात
के समय घर आने रोके
जाने की बात पर मारपीट

भाइरवारी। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बाँते हुये दिवस काम सरेगाओ निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपर्णा शंकरायत घट करारते हुये बताया है कि उसके घरके पास लाल सिंह कुशवाहा रहता है जिसकी बीहड़ प्रार्थना की पत्नी के पास बैठने के लिये रात के समय घर आया करती थी। इसी बात को लेकर प्रार्थना की पत्नी द्वारा कहा कि रात के समय हमारे घर मत आया करो। इसी बात को लेकर लाल सिंह कुशवाहा तथा मोहन कुशवाहा द्वारा एक राय होकर प्रार्थना की गई गंदी गाँविया देते हुये लाठी से मारपीट कर चोटें पहुँचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। प्रत्यक्ष को लेकर पुलिस ने प्रार्थना की शंकरायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

घर के आंगन में टीन
लगाने से रोका तो
मारपीट कर चोट पहुंचाई

गाइडरवाली। बारिश के दिनों में लोग अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये इस तरह के कार्य करते हैं जिससे बारिश का पानी दूसरे लोगों के लिये परेशानी का दूसर का बनने लगता है और यदि उनकी इस तरह की मनमानी पर कोई रोक टोक करना है तो मारपीट करने से नहीं चूकते हैं। कुछ दिनों प्रकाश की सच्चाई बीते हुये दिल्ली समीपस्थ गाम भूतखेड़ा में देखने मिली है। जहां पर पड़ोस में निवास करने वाले चचेरे भाइयों को मनमानी पूर्ण तरीके से टीन लगाने से रोका तो प्रार्थी व उसकी पत्नी के साथ मारपीट करते हुये चोट पहुंचाई। घटना के संबंध में प्रार्थी द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे घर के बाजू में चचेरा भाई अन्नीलाल मेहरा का मकान है। वहीं बीते हुये दिवस अन्नीलाल मेहरा मेरे आंगन की पार में टीन लगा रहा जिसे प्रार्थी ने बोला कि बरसाती पानी मेरे आंगन में आयेगा और उसे टीन लगाने से मना किया इसी बात पर से अन्नीलाल मेहरा तथा उसका भाई खूबद्वंद मेहरा एवं लोकका दुर्गेश मेहरा द्वारा एक रात तक प्रार्थी को गंभी नहीं गालिया देते हुये मारपीट चर चोट पहुंचाई। वहीं जब बीच बचाव करने के लिये जब प्रार्थी के पत्नी आई तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोट पहुंचाते हुये जान से मारने की धमकी दी गई।

एक राय होकर की मारपीट

गाइडवासी। समीपस्थ सिहीरा पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस वाम सलैया निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज करवाते हुये बताया है कि गांव के शिथिर मेहरा से पुरानी बुराई चल रही है। उसी के चलते बीते हुये दिवस शिथिरन तथा उसका भतीजा कृष्णकुमार मेहरा प्रसन्न के घर के समाने आकर गंदी गंदी गलिया दे रहे थे तो प्राथी की माँ व प्राथी द्वारा जब गलिया देने से मना किया तो आरोपियों द्वारा प्राथी व उसके माँ के साथ मामलापीट करते हुये वोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी चाचा भतीजे के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

आये दिन लोग इन पर चढ़कर मचाते है आतंक, रहवासी क्षेत्रों में स्थापित होने से मानव जीवन को बढ़ रहा खतरा....?

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में नियमों को दरकिनार कर स्थापित मोबाइल टावर में नहीं है कोई सुरक्षा के इंतजाम

हरिभूमि न्युज / गाइडवाला। जहाँ एक ओर इस समय लोगों में अनेक प्रकार की नई नई बीमारी आये दिनें जकड़ते हुए देखी जा रही है, उसका प्रमुख कारण यह माना जाता है कि लगानातर बढ़ रही भौतिक बाढ़ी सुविधाओं की प्रमुख देन है। क्योंकि जहाँ लोगों द्वारा खान पान का ध्यान नहीं रखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आमजन के लिए सुविधा जनक माने जाने वाले साधनों से पैदा होने वाली तरंगे भी बीमारियों का प्रमुख कारण साबित होने से नहीं चुक पा रही है...? वहीं दूसरी ओर बताया जाता है कि जिस प्रकार से शहरों में रहवासी क्षेत्रों में जो मोबाइल टावरों की स्थापना हो रही है जो कहीं न कहीं अनेक प्रकार की बीमारियों को बढ़ावा देने में प्रमुख रूप से सामने आने से नहीं चुक पा रही है? विशेषज्ञों के अनुसार सेल फोन टावरों से भी मानव शरीर को विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है, जिसे ध्यान में रखते हुए शायद पूर्व में मा. न्यायलय द्वारा इन्हें स्थापित करने के लिए निर्धारित मापदंडों का पालन करने का कुछ साल पहिले आदेश दिया गया था...। मगर शायद इस आदेश का कहीं पालन होते हुए दिखाई दे रहा हो...? क्योंकि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किये गये अनेक टावरों की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई है कि जहाँ इन टावरों में रात के समय लाल सिग्नल ही नजर नहीं आ रहे है तो वहीं दूसरी संबंध्यत द्वारा न इन टावरों को रख रखाब किया जा रहा है और नही ही इनकी पुताई की जाती है जा रहा है। वहीं दूसरी ओर देखा जा रहा है कि संबंध्यत विभाग द्वारा इन टावरों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार से कोई प्रबंध नहीं किया जा रहा है। अतएव आतंक मचाते हुये भी कि लोग इन पर चढ़कर आतंक मचाते हुये भी देखे जाने लगे है...? जिसकी सच्चाई बीते हुये वर्ष



गाडरवारा व साईंखेड़ा सहित डोंगरगांव पुलिस स्थाने के अंगरंग आने वाले ग्राम पंचायत के बाद जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में भी देखने मिल चुकी है...? जबकि नियम के अनुसार इन टाबोरी की सुरक्षा के लिये संबंधित कंपनी के द्वारा चौकीदार नियुक्त होता है तो दूसरी ओर ऊँचाई स्पष्ट करने के लिये सफेद व लाल रंग में पोता जाता है? मगर शहर से लेकर गांव गांव स्थापित किये गये इन टाबोरी में न तो कोई सुरक्षा कर्मी नजर आते हैं और न ही इनकी पुताई की जा रही है जिसके चलते लोगों को नजर ही नहीं आते हैं। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि जहां तहां स्थापित होने वाले इन सैल टाबोरी से होने वाले दुष्प्रभाव को लेकर नगरीय क्षेत्रों में सैल फोन टॉवर स्थापित करने के लिये म.प्र. मानव अधिकार आयोग ने कम से कम ऐसे भूखंडों का चयन करने को प्राथमिकता देने की अनुशंसा की गई है, जिनका आकार ढाई सौ फीट हो, इन भूखंडों पर सैल फोन टॉवर के लिये स्थापित की जाने



वाली मशीनों और जनरेटर से 100 फूट की त्रिज्या में कोई भी रहवासी आवास न हो और टॉवर स्थापित करने के लिए जनरेटर की चिमनी की ऊँचाई न्यूनतम 30 फूट अथवा पास की ऊँचाई आवासीय भवन से 20 फूट अधिक होना चाहिए। वही बताया जाता है कि पूर्व में ही इस संबंध में आयोग ने सिफारिश की गई थी कि ढाई हजार वर्ग फूट तक के आवासीय भूखंडों पर स्थापित टॉवरों तकला हटायें जाने चाहिये तथा रहिाशयशाली कॉलोनियों में मकानों की छत पर स्थापित टॉवरों से लोगों की जान और माल की क्षति का खतरा बना रहता है। इसलिए टॉवरों की ऊँचाई इतनी हो कि उनके गिरने से कोई जनहानि न हो साथ ही साथ टॉवर स्थापित किये जाने वाले स्थान को वायर फैसिंग और चार दीवारी बनाकर सुरक्षित रखा जाना चाहिये तथा विद्युत या डीजल जनरेटर से संचालित होने वाले टॉवरों में ध्वनि प्रदूषण हो। इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिये। जानकारी के अनुसार आयोग की पहल पर शासन



न सेल फोन टॉवर से निकलने वाली विद्युत् चुंबकीय विकिरणों के दुष्प्रभावों का अध्ययन करने के लिये विशेषज्ञों द्वारा स्पष्ट किया गया है कि ये विद्युत् चुम्बकीय विकिरणें मालाया गर्भस्था में शिशुओं और बालकों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है? मगर इसके बालों की देखा जा रहा है कि नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में निजी कंपनियों द्वारा अपनी नमनजी के अनुसार टावर खड़े कर दिये गये हैं जहाँ पर लोग निवास करने के शिक्षण संस्थाओं के आलवा स्वास्थ्य केन्द्र भी मौजूद हैं। अनेक जगहों पर तो इस प्रकार से देखा जाता है कि जहाँ पर सेल फोन टावर लगे हैं उन्ही भवनों में स्कूल संचालित हो रहे हैं साथ ही साथ नगर में अनेक रहवासी इलाकों में टावर खड़े करने से आमजनों के लिए परेशानी का कारण साबित हो रहे हैं। इस प्रकार से निर्धारित माप दंडों को दर किये करते हुए शहर से लेकर गांवों में स्थापित किये गये टावर अपनी सच्चाई खुद ही व्यापक करने से नही चूक रहे हैं? जिनका

जहाँ दिन के समय रंग ही दिखाई न देता है और रात के समय लाल सिंगल तक गाबब रहता है। वही दूसरी ओर टाबों के पास किसी भी प्रकार से कोई सुरक्षा कर्मी मौजूद न रहने के कारण आये दिन लोग इन टाबों पर चढ़कर हंगामा खड़ा करने से भी नहीं चूक रहे हैं। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते लोगों में अनेक प्रकार की बीमारियाँ होने की संभावना के साथ साथ बगैर सिंगल वाले टाबों से किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है? जहाँ तहाँ स्थिति हो रहे टाबों को लेकर लोगों का कहना है कि निजी कंपनियों द्वारा आम लोगों को जरा से धन का प्रलोभन देते हुए उनके भवनों पर टाबर खड़ा करने के लिए तैयार तो कर लेते हैं, मगर वह मकान मालिक जरा से धन के लालच में आकर अपने भविष्य को दाब पर लगाते से भी नहीं चूक रहे हैं।

मिशन एड्स संपूर्ण सुरक्षा के तहत ऑटो
चालकों के लिए आयोजित किया स्वास्थ्य शिविर



परिभूमि न्युज/ गाडवावा। लोगों को गंभीर बीमारियाँ से बचाव को ध्यान में रखते होते होते हुये दिवस कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला एड्स नियंत्रण समिति श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा एवं जिला नोडल अधिकारी (जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम) डॉ. देवेंद्र रिपुमदन सिंह के निर्देशन में मिशन एड्स संपूर्ण संरक्षण के अंगत गाडरवावा रेलवे स्टेशन परिसर में ऑटो चालक संघ के लिए संपूर्ण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ऑटो चालकों एवं अन्य हितग्राहियों की एचआईवी, वीडोआरएल (सिफलिस), हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी, टीबी, रक्तचाप (बीपी) एवं शुगर की निःशुल्क जांच की गई। साथ ही चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ भी प्रदान की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने एचआईवी/ एड्स के संक्रमण के कारण, बचाव एवं उपचार के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संक्रमण मुख्यतः असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई एवं सिरिंज के उपयोग, संक्रमित रक्त अथवा रक्त उत्पाद चढ़ाने तथा एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला से उसके शिशु में फैल सकता है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, सुरक्षित व्यवहार, नियमित

पंचार एवं जागरूकता से एचआईवी संक्रमण को नियंत्रित किया जा सकता है तथा संक्रमित व्यक्ति भी सामान्य जीवन व्यतीत कर सकता है। शिविर के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत गाडवार पुलिस के सहयोग से उपरिष्ठ ओटो चालकों एवं नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। इस दौरान नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए समाज में भेदभाव रहित एवं संवेदनशील व्यवहार अपनाने की अपील की गई। वही नोलेड ऑथोरिटी (जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम) डॉ. देवेन्द्र रिपुदमन सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि मिशन एड्स संपूर्ण सुरक्षा का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक एचआईवी जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधाएं पहुंचाना है। यदि किसी व्यक्ति को एचआईवी संक्रमण की आशंका हो या वह जोखिमपूर्ण व्यवहार की श्रेणी में आता हो, तो बिना किसी संकोच के अपने निःकटमन आईसीटीसी (एकीकृत परामर्श एवं जांच केंद्र) में निःशुल्क एवं पूर्णतः गोपनीय एचआईवी जांच अवश्य कराएं। उन्होंने बताया कि एचआईवी की समय पर पहचान होने पर एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) के माध्यम से संक्रमित व्यक्ति सामान्य एवं स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से सुरक्षित व्यवहार अपनाने, नशे से दूर रहने तथा एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति किसी भी प्रकार का भेदभाव न करते हुए उन्हें सम्मान और सहयोग प्रदान करने की अपील की। एवं अक्सर पर शासकीय अस्पताल गाडवार से डॉ. विजय ठगले, लैब टेक्नीशियन निधि जैन, आईसीटीसी काउंसलर डॉ. शैलेंद्र देवकार, एसीटीसी शीतल कोरी, रफा नर्स किरण कोरी, फार्मासिस्ट मनीष यादव, परसोयना प्रबंधक रजनी विश्वकर्मा, काउंसलर रूपराम मेहरा, ओआरडब्ल्यू अनीता राजक, सोना केवट, सुधीर पौडेल, आशा कार्यकर्ता, ओटो चालक संघ के अध्यक्ष राजु राजपूत सहित स्वास्थ्य विभाग एवं जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। सभी के संयुक्त प्रयासों से शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ।

परेशानियों से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को अनेक संकटों से करना पड़ रहा है सामना, शासन की योजना पर सवाल

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। भले ही सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएँ चलाती हुए लगातार विकास के बादे किस्ते जा रहे हैं, मगर यदि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सच्चाई पर जाया जावे तो वह योजनाएँ कागजों तक ही सीमित नजर आने से नही चूक रहे हैं तथा इसी के चलते शासन द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? इस बात की सच्चाई जगपद पंचायत साईंखेड़ा क्षेत्र के तहत आने वाले अनेक ग्रामों में ग्रामीणजन मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बाद भी ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर हैं? क्योंकि ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिये ना तो अधिकारी पहल कर रहे हैं और ना ही जनप्रतिनिधि। इसी वजह से ग्रामीणों को शासकीय राशन दुकानों से ख़दान, कैरोसीन, शक्कर, पेयजल के साथ-साथ स्वास्थ्य जैसी आम सुविधाओं के लिये भी कठिनारंश्यों का सामना करना पड़ रहा है? ग्रामों को जोड़ने वाली सड़के जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। लेकिन इनकी मरम्मत के



लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये जा रहे हैं, वा-
स्थिति में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में हैंडपंप बिगड़ी ह-
दूषित पानी उगलते हैं, जिसे ग्र-
साथ साथ पीने के उपयोग-
ग्राम्यांचलों में पढ़ने वाले बच्चे-
तो बन गये हैं। मगर उनमें शिक्ष-
की कमी होने से गरीब बच्चे अ-
नहीं कर पाते है खैर अभी तब-
मगर शिक्षण सत्र के दौरान दे-
अनेक शालाओं में पदस्थ शि-
ढंग से अपने गृहनगर से स-
करते है, जिसकी जानकारी वि-
पी रहती है। परंतु वे जानते ब-
देते है जिसका परिणाम है कि श-
स्तर गिर रहा है? वही शालाओं के बच्चों को पो-
सिर्फ कागजो तक ही शिफात नजर आता है? जि-
शालाओं की स्थिति इस प्रकार से रहती है कि मध-
अदायगी ही साबित हो रही है।

काजा जावे तो वर्तमान न म पड़े हैं और कुछ गजनों को निस्तार कर भी लाना पड़ता है, लिये भी शाला भवन का टोटा है, शिक्षकों आगे की पढ़ाई पूरी कूल बंद चल रही है? न म पड़ता है कि क्षेत्र की शिक्षायों मनमाने बेसमय आना जाना करीगीय अधिकारियों को इस ओर ध्यान नहीं म च्यों की पढ़ाई का म मध्याह्न भोजन भी देखा जावे तो कुछ भोजन की मात्र रसम

काम

तो हमें 21 वीं सदी मे है तो उन्हे लंबी लाइन ने की कार्यप्रणाली से काम के लिये ही यहां तेजी बढ़ते हुये देखा जाचिपके रहते हुए देखा मेंकों में वर्षों से पदस्थ

चलते सड़कों पर धमा चौकड़ी मची रही है। वही दूसरी ओर लॉडिंग वाहनों की धमाचौकड़ी से गाम के अंदर से निकले मुख्य रास्तों पर जान का स्थिति निर्मित हो जाती है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय गाम कोड़िया में देखने मिल रही है। ज्ञात हो कि गाडरवारा करली मुख्य मार्ग जो राष्ट्रीय स्तर का सड़क मार्ग म होने के कारण इस मार्ग पर प्रतिदिन वाहनों को दबाव होने के कारण दिन भर सड़क पर वखीप दौड़ते वाहनों से खंडे बडे जागलेखा गंभीर दुर्घटनाएं भी होते हुए देखी जाती हैं। वही दूसरी ओर यहां पर जगह के अभाव में सड़क परिवहन करते समय गाम के मुख्य रास्तो को लंबी लगने वाली लाईनों के चलते जाम की स्थिति बनने से नही चुकती है। वही दूसरी ओर वाहन मालिको द्वारा भी सड़कों पर वाहनों को बेतरतीब ढररे से खडे कर दिया जाता है और अवसर देखा जाता है कि लोगों द्वारा अपने वाहनों के लिए लाई जाते वाली निर्माण सामग्री को भी इस मुख्य मार्ग के किनारे ही रख दिया जाता है जिसके चलते यातायात को प्रभावित कर जाम की स्थिति बनाव देते है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जाते तो चाय कार के ढेलो दुकानो पर छोटे वाहन कारको द्वारा सड़क पर ही अपने वाहन खडे कर चाय पान में मग्न हो जाते है। बाकी कसर ओटा सहित अन्य वाहन वाली द्वारा पूरी कर दी जाती है जो बीच सड़क पर अपने वाहनों को खड़ा करके सवारियों का इंतजार करते है। इसी के चलते यहां से निकलने वाले लोगों की जान को खदे भी खतरा बना रहता है। वही दूसरी ओर यहां पर यद्व अतिक्रमण की सच्चाई पर और लिये जावे तो लोगों ने जहां अपने घरों की ओटा टिप्टो मुख्य मार्ग से लगाकर बना लिये गये तो दूसरी ओर दुकानदार भी अपने दुकानों को सड़क पर रखते हुये अतिक्रमण करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस तरह मुख्य मार्ग पर लगातार बढ़ रही अतिक्रमण व जाम की स्थिति को ध्यान में रखते हुये कुछ साल पहले प्रशासन द्वारा यहां पर अतिक्रमण विरोधी मुहियन चलाते



हुये सड़क विगारने लगी हुई दुकानों को हटाय़ा गया था। जिससे स्थिति में काफी सुधार देखने मिला था। मगर शसन प्रशासन की अन्देशकारी कही जाये या फिर नली भगत के चलते वह दुकानें फिर जहां की तहां पार आने से नही चूक रही है। इस तरह गाम के बाँचों से निकले मुख्यमार्ग को लेकर गामवासियों द्वारा शसन प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा है कि यदि गाम के बाहर से वायापस मार्ग का निर्माण हो जाता है कि इस समस्या से जहां निजात मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी में खतरों से मुक्त हो जावेगी। वयोंकि जहां मुख्य मार्ग से प्राथमिक स्कूल से लेकर हाई स्कूल तक हुआ है। वहीं गाम के अनेक बैकौ सहित पोस्ट ऑफिस भी सड़क के किनारे होने के कारण सड़क पर दिन भर भीड़ भाड़ की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण आये दिना घटनाए घटित होना अह् बात हो चुकी है। जबकि पूर्व में यहां पर घटित हुई अनेक सड़क घटनाओं में लोगों की जाने भी जा चुकी है मगर इसके बाद भी प्रशासन की उदासीनता आमजन के लिए समझा से परे होती चली जा रही है? गाम के अंदर आये दिन निर्मित होने वाली इस स्थिति को लेकर लोगों द्वारा गाम कोडीयर्स के बाहर से वायापस मार्ग निर्माण की मांग की जाने लगी है जिससे लोगों के यातायात में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कम्प्यूटीकृत बैंकों में हो रहा कछुआ गति से काम

है। भूमि न्यूज/चादरवारा। कम्प्यूटर युग के बावजूद भी बैंकों में राशि जमा करने व निकालने के लिये अगर एक दो घण्टे का समय लगे, लंबी लंबी कतारें खसने न हो तो हमें 21 वीं सदी में आधुनिकता की गाढ़ ओढ़ने का गर्व नहीं करना चाहिए। नगर में स्थित राष्ट्रीयकृत बैंकों में होने ग्राहकों को पैसा जमा करने, ड्राफ्ट बनवाने, शासकीय राशि जमा करने पहुंचते होते तो उन्हें लंबी लाइन में खड़े होकर अपना नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। बैंकों में नोट गिनने की मशीन होने के बावजूद भी अलग लिखा पट्टी में काफ़ी विलंब होता है, जिससे ग्राहकों में बैंकों की कार्यप्रणाली से परेशानी बढ़ी है। नगर सहित क्षेत्र के आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित राष्ट्रीयकृत बैंक में शासकीय राशि, चालान आदि पट्टानों में लोगों को भारी मशक्कत करने पड़ती है, एक काम के लिये ही यहाँ पूरा दिन बर्बाद हो जाता है, जिससे लोगों के काम धाम पिछड़ते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नहीं इस बैंक में कार्यरत कर्मियों के परिचरों के कार्य पहले नियंटनों का भी चलन तेजी बढ़ते हुये देखा जा रहा है, संबंधित बैंक अधिकारियों को चाहिए व उपभोक्ताओं के काम आसानी से और कम समय पर निपटे ऐसी व्यवस्था बैंक में बनाये, किंतु अधिकारी है कि कुर्सी पर चिपके रहते हुए देखा जाता है, उन्हें बैंकों में काम किन गति से हो रहा है व उपभोक्ताओं की क्या परेशानी हो रही है, शायद इससे किसी को कोई सरोकार नहीं है? मगर देखा जाता है कि यहाँ प्रमुख बैंकों में वर्षों से पदस्था कुल कर्मों अपनी डियूटी के समय चायपान की दुकानों के साथ साथ लॉग लाने का स्वाद लेते हुए ज्यादा नजर आते है।

खबर संक्षेप

सिधौली के बैगान टोला में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, बारिश में बड़ी ग्रामीणों की परेशानी



अमरपुर। शासन द्वारा विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के विकास एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित किए जाने के दावे किए जा रहे हैं। वहीं अमरपुर जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सिधौली का बैगान टोला आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि आवागमन, पेयजल सहित कई आवश्यक सुविधाएं अब भी उनकी पहुंच से दूर हैं। बैगान टोला तक पहुंचने वाले मार्ग पर स्थित नाले पर लगभग 30 वर्ष पूर्व निर्मित पुलिया पिछले वर्ष बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद से आवागमन प्रभावित है। ग्रामीणों के अनुसार, बरसात के दिनों में इस मार्ग से दोपहिया वाहन निकालना भी जोखिम भरा हो जाता है, जिससे आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में नल-जल योजना संचालित होने के बावजूद बैगान टोला के अधिकांश घरों तक नियमित रूप से पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है। इसके चलते लोगों को आज भी दूर स्थित कुओं और झिरियों से पानी लाना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार, टोले में निर्मित पेयजल कूप का पानी भी पीने योग्य नहीं है, जिससे स्वच्छ पेयजल की समस्या लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से क्षतिग्रस्त पुलिया का शीघ्र निर्माण कराने तथा बैगान टोला में सुरक्षित एवं नियमित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि उन्हें मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके।

शहडोल की पहली महिला क्षेत्रीय रेल प्रबंधक सुश्री सोनालिका बनी

34 वर्षों में पहली बार रेल प्रशासन ने शहडोल में महिला रेल अधिकारी को पदस्थ किया



शहडोल। उप मंडलीय रेल क्षेत्र शहडोल की पहली महिला सुश्री सोनालिका रुचंदानी ने क्षेत्रीय रेल प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया है, इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 1992 में उप मंडलीय रेल क्षेत्र शहडोल में क्षेत्रीय रेल प्रबंधक कार्यालय की शुरुआत हुई थी, 1992 से 2026 के मध्य 34 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब रेल प्रशासन में पहली महिला क्षेत्रीय रेल प्रबंधक के रूप में सुश्री सोनालिका रुचंदानी की पदस्थापना शहडोल में की है, इस तरह से सुश्री सोनालिका रुचंदानी शहडोल की पहली महिला रेल अधिकारी बन गई हैं। मूलतः छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की रहने वाली सुश्री सोनालिका ने बिडला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी दुर्ग से बी.ई.ईंजीनियरिंग डिग्री हासिल उपरांत यूपीएससी सिविल सर्विस सेवा 2022 की परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय रेल प्रबंधन सेवा में शामिल हुई, प्रशिक्षण के दौरान सुश्री सोनालिका रुचंदानी राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू से भी मुलाकात की थी। वर्तमान में सुश्री सोनालिका रुचंदानी यूपीएससी सिविल सर्विस सेवा की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ संवाद एवं टिप्स सेशन में भी हिस्सा लेती हैं, इसके अलावा क्वेश्चन आंसर के वेबसाइट कोरा पर क्वेश्चन आंसर के सवालों का जवाब भी दिया करती हैं। मुद स्वभाव की पहली युवा महिला क्षेत्रीय रेल प्रबंधक सुश्री सोनालिका रुचंदानी सौहार्दपूर्ण तरीके से रेल कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर उनका निदान भी कर रही हैं, युवा महिला क्षेत्रीय रेल प्रबंधक की पदस्थापना से रेल कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

34 वर्ष की शासकीय सेवा के बाद प्राचार्य पी.डी. पटेल सेवानिवृत्त, भावमीनी विदाई

शहपुरा। शासकीय हाई स्कूल कस्तूरी पिपरिया के प्राचार्य एवं पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी पी. डी. पटेल के 34 वर्ष की शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, सेवानिवृत्त शिक्षकों तथा क्षेत्र के गणमात्य नागरिकों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने श्री पटेल को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बना दिया।वक्ताओं ने कहा कि श्री पटेल ने अपने 34 वर्ष के सेवाकाल में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, विद्यालयों में अनुशासन स्थापित करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी के रूप में भी उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने



में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सरल व्यक्तित्व, प्रशासनिक दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा की सभी ने सराहना की।विदाई अवसर पर कई शिक्षक और विद्यार्थी भावुक नजर आए। अपने संबोधन में श्री पटेल ने विद्यालय परिवार, शिक्षा विभाग, सहकर्मियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूरे सेवाकाल में मिले सहयोग और स्नेह को वे सदैव याद रखेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से ईमानदारी, अनुशासन और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।समारोह के अंत में उपस्थितजनों ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

जनभागीदारी से ही सशक्त होगा समाज, स्वैच्छिकता पर्व में सेवा का संदेश

डिंडौरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पखवाड़े के अंतर्गत शुक्रवार को स्थानीय जनजातीय बालक छात्रावास के सभाकक्ष में जिला स्तरीय स्वैच्छिकता पर्व आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवा और जनभागीदारी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में युवाओं एवं स्वयंसेवकों की भूमिका पर जोर दिया गया।मुख्य अतिथि श्री अजय ने कहा कि समाज एवं राष्ट्र के विकास में युवाओं, स्वयंसेवकों और सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण तथा जनकल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान



किया। जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान ने बताया कि परिषद के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 4 जुलाई से 12 अगस्त तक स्वैच्छिकता पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान परिषद के नेटवर्क के माध्यम से

विकास कार्यक्रम, “एक पेड़ मां के नाम”, नवांकुर सखी हरियाली, सिद्ध गणेश माटी गणेश तथा हर घर तिरंगा अभियान सहित अन्य गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को स्वैच्छिकता एवं नशामुक्त भारत की शपथ भी दिलाई गई।इस अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नवांकुर संस्थाओं, सीएमसीएलडीपी मेंटर्स, सीएम इंटर्न, छात्र-छात्राओं तथा प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

उद्यानिकी योजनाओं के लक्ष्य समय-सीमा में पूरे हों, किसानों को मिले समय पर लाभ : कलेक्टर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उद्यानिकी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के 50-50 प्रकरणों की बिंदुवार समीक्षा की गई।कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी उद्यानिकी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पात्र किसानों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया।



(एमआईडीएच) के अंतर्गत पुष्प क्षेत्र विस्तार योजना की विकासखंडवार प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जैविक खेती योजना, बागवानी यंत्रीकरण योजना, फसलोत्तर प्रबंधन घटक तथा मसाला क्षेत्र विस्तार योजना के क्रियान्वयन की भी विस्तृत समीक्षा की गई।कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र किसानों को समय पर लाभान्वित किया जाए तथा नियमित समीक्षा के माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति

सिविल सर्विसेज दिवस पर विद्यार्थियों को मिला प्रतियोगी परीक्षाओं का मार्गदर्शन

शहपुरा। शासकीय आदर्श महाविद्यालय शहपुरा में शुक्रवार को सिविल सर्विसेज दिवस एवं साहित्य सम्राट मुंशी प्रेमचंद जयंती के अवसर पर करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संघ एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर संभावनाओं और सफलता की रणनीतियों की जानकारी दी गई।कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह ठाकुर के निर्देशन तथा प्राचार्य पी.एस. वरकड़े की अध्यक्षता में हुआ। संचालन डॉ. अजय कुमार राय ने किया। हिंदी विभाग के अभिषेक पटेल



ने मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से कर्तव्यनिष्ठ, संघर्षशील और निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। वहीं डॉ. नरेन्द्र सिंह ठाकुर ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

(एमपीपीएससी), भारतीय सांख्यिकी सेवा, भारतीय वन सेवा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी देते हुए लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य पी.एस. वरकड़े ने प्रतियोगी

नल-जल योजना में लापरवाही और जांच में असहयोग पर बिजौरी माल पंचायत सचिव निलंबित

शहपुरा। जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बिजौरी माल के सचिव मनोहर सिंह आर्मां को नल-जल योजना में अनियमितता, जांच में सहयोग नहीं करने, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना तथा शासकीय देय राशि जमा नहीं करने के आरोपों में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।जानकारी के अनुसार, बिजौरी माल एवं उसके पोषक ग्राम चरगांव रैयत में संचालित नल-जल योजना से पिछले तीन माह से पेयजल आपूर्ति बाधित होने की शिकायत कलेक्टर जनसुनवाई में की गई थी। शिकायत के बाद गठित जांच दल ने पंचायत सचिव से कई बार अभिलेख एवं आवश्यक दस्तावेज मांगे, लेकिन निर्धारित समय में रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराया गया। कारण बताओ नोटिस जारी होने के बावजूद सचिव का जवाब बतौओ प्रत्येक नहीं पाया गया।



जांच के दौरान पंचायत में रखरखाव एवं मरम्मत कार्यों पर ग्रामसभा की स्वीकृति के बिना 1.76 लाख रुपये से अधिक खर्च किए गए जो की शिकायत भी सही पाई गई। सक्षम प्राधिकारी ने सरपंच और सचिव पर समान रूप से देय राशि निर्धारित करते हुए सचिव से 88,180 रुपये की वसूली के आदेश दिए थे, लेकिन राशि जमा नहीं की गई।आदेश में कहा गया है कि जांच में

असहयोग, अभिलेख प्रस्तुत न करना, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी तथा शासकीय आदेशों का पालन नहीं करना गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता है।इन्हीं आधारों पर मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1999 के नियम-4 के तहत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय जनपद पंचायत शहपुरा रहेगा तथा नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, दो प्रतिष्ठानों से लिए नमूने

डिंडौरी। मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन, डिंडौरी द्वारा विशेष अभियान के तहत शहपुरा विकासखंड के बिछिया क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देश तथा कलेक्टर



श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के दौरान दो खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान साहू बेकरी एवं किराना का खाद्य पंजीयन समाप्त पाया गया। विभागीय अधिकारियों ने संचालक को तत्काल नया पंजीयन कराने के निर्देश दिए। प्रतिष्ठान से राइस ब्रान तेल एवं केचप के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। इसके बाद खुशी किराना का निरीक्षण किया गया, जहां विक्रय के लिए रखे कुछ एक्सपायरी खाद्य पदार्थ पक गए। विभागीय टीम ने विक्रेता की मौजूदगी में उक्त सामग्री को मौके पर ही नष्ट कराया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में आवश्यक खाद्य

लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया और उसका प्रदर्शन भी नहीं किया गया था। इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई शुरू की गई। यहां से पनीर एवं दही के नमूने भी जांच हेतु संग्रहित किए गए। अभियान के दौरान क्षेत्र की अन्य दुकानों एवं होटलों का भी निरीक्षण किया गया। खाद्य कारोबारियों को साफ-सफाई बनाए रखने, पैकेड खाद्य सामग्री की निर्माण एवं समाप्ति तिथि की जांच के बाद ही बिक्री करने तथा आगामी त्योहारों को देखते हुए बिना बिल एवं गुणवत्ता प्रमाण के कनैक्शनरी, दुग्ध उत्पाद एवं मिठाइयों की खरीदी-बिक्री नहीं करने की समझौता दी गई।खाद्य सुरक्षा

विभाग द्वारा दोनों प्रतिष्ठानों से लिए गए नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट में खाल पदार्थ अमानक पाए जाने अथवा मिलावट की पुष्टि होने पर संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।यह पूरी कार्रवाई मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती प्रभा सिंह टेकाम एवं उनकी टीम द्वारा की गई। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और मिलावटखोरों के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।



